हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 1 मई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना संबंधी सोशल मीडिया की भ्रामक जानकारी से बचें

मण्डला। जिला बाल संरक्षण अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के संबंध में माता-पिता या दोनों में से किसी एक की मृत्यु पर योजना से लाभान्वित किए जाने की भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित की जा रही है जो की पूर्णतः असत्य है। मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना अंतर्गत पात्रता की श्रेणी में वे बच्चे सम्मिलित है, जो मध्यप्रदेश के स्थानीय निवासी हो एवं 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता दानों की मृत्यु हो गई हो। योजना अंतर्गत हितग्राही बच्चे को प्रतिमाह 4000 रूपये की राशि प्रदाय की जाएगी। पात्र हितग्राही बाल कल्याण समिति, महिला एवं बाल विकास मण्डला म.प्र. में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकते हैं।

योजना का लाभ लेने के लिये बच्चे का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट फोटोग्राफ, बच्चे के माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र, संरक्षक का आधार कार्ड, बच्चे का संरक्षक के साथ संयुक्त बैंक खाता डीबीटी एनेवल्ड, संरक्षक का आय प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, समग्र आईडी, राशन कार्ड होना आवश्यक है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक जानकारी पर विश्वास नहीं करने की सभी से अपील की गई है। साथ ही योजना से संबंधित अधिक जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग मण्डला म.प्र. अथवा बाल कल्याण समिति द्वितीय तल रेडक्रॉस सोसायटी मण्डला म.प्र. एवं फोन नंबर 07642- 253055 से प्राप्त की जा सकती है।

मंडला में 4 और 5 मई को दो दिवसीय आदि उत्सव

छत्तीसगढ़ के सीएम करेंगे कार्यक्रम का शुभारंभ

*** समापन कार्यक्रम में होंगे मुख्यमंत्री।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला के रामनगर में आगामी 4 एवं 5 मई को होने वाले आदि उत्सव के कार्यक्रम की तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यक्रम स्थल पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

उन्होंने कार्यक्रम के लिए तैयार किए जा रहे स्टॉल, मंच, ग्रीनरूम, भोजन व्यवस्था, सामुहिक विवाह आदि के विषय में जानकारी ली। बैठक व्यवस्था, मंच, मंच के मिनिट-टू-मिनिट कार्यक्रम, भोजन, पेयजल, मेडीकल टीम, एम्बूलेंस, बेरीकेटिंग, साउंड सर्विस, हितलाभ वितरण, जोड़ों के विवाह कार्यक्रम आदि की अंतिम तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

4 मई को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव दो दिवसीय आदि उत्सव का शुभारंभ करेंगे। साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके कैबिनेट मंत्री विजय शाह, श्रीमती संपतिया उइके नागर सिंह चौहान, सहित अन्य प्रदेशों के मंत्री उपस्थित रहेंगे। 5 मई को समापन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री रहेंगे। कार्यक्रम में जनजाति राजपरिवार के सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह जू देव सांसद कमलेश शाह विधायक सहित, पंडा, पुजारी, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

सांसद कुलस्ते ने कहा कि दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, सामुहिक विवाह, स्वास्थ्य शिविर, दिव्यांगों का शिविर सहित जनजाति संस्कृति से जुड़े अनेक कार्यक्रम होंगे। सांसद ने जिलेवासियों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की है।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम, एसडीएम बिछिया सोनाली देव, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, एसी ट्राइबल वंदना गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर घोरमारे, बीईओ मंडला रंजीत गुप्ता, सीएमएचओ डॉ केसी सरोते, पीडब्ल्यूडी - आरईएस अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

खटोला में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

भगवान हमेशा अपने भक्तों की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। मनुष्य मोह-माया में उलझकर परमात्मा को भूल जाता है। श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य के सांसारिक पाप नष्ट हो जाते हैं। यह बातें बिछिया के खटोला में श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन की कथा में पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने कही। उन्होंने बताया कि प्रेम हमारी दिशा बदलता है और भक्ति हमारी दशा। क्रोध पर नियंत्रण पाने वाला व्यक्ति जीवन में कभी पराजित नहीं होता। यज्ञ, दान और तप आध्यात्मिक उन्नति के प्रमुख साधन हैं। उन्होंने समझाया कि जीवन में जो हम दूसरों को देते हैं, वही हमें मिलता है। प्रेम का बदला प्रेम में और सहयोग का बदला सहयोग में मिलता है। कष्ट देने वाले को भी कष्ट भोगना पड़ता है। शास्त्री जी ने बताया कि मनुष्य तन कुदरत की देन है। शरीर भले ही कमजोर हो जाए, लेकिन मन मजबूत रखना चाहिए। उन्होंने समझाया कि सत्संग पाप धोने के लिए होते हैं। भगवान का निरंतर भजन करने से सभी कार्य स्वतः पूरे हो जाते हैं। बताया गया कि 27 अप्रैल से 4 मई तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।

ग्राम धमनपानी में पानी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन

मण्डला। 29 अप्रैल 2025 को ग्राम पंचायत चुभावल के पोषक ग्राम धमनपानी में पानी चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्रामीणों के साथ मिलकर ग्राम क़ी कार्य योजना तैयार करते हुए रिचार्ज स्ट्रक्चर, खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज पिट, सामुदायिक सोकपिट, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग, फलदार वृक्षारोपण आदि जल संवर्धन के कार्य कराये जाने हेतु विस्तृत चर्चा क़ी गई। पानी चौपाल कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा जल संरक्षण - जल संबर्धन से संबंधित पेंटिंग तैयार किया गया। खेत तालाब का भूमिपूजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद सदस्य हलकु सिंह परस्ते, सहायक यंत्री, एपीओ नरेगा, पीएचई, सब इंजीनियर, सचिव, जीआरएस एवं ग्रामवासियों उपस्थित थे।

श्रमदान से की संगम घाट महाराजपुर स्थित प्राचीन बावड़ी की सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा अनुसार प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शासन के विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से जल स्त्रोतों की सफ़ाई जनसहयोग, श्रमदान के माध्यम से की जा रही हैं। इसी कड़ी में म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखंड मंडला के द्वारा संगम घाट महाराजपुर स्थित प्राचीन बावड़ी में श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता कार्य किया गया। यह प्राचीन बावड़ी देखरेख के अभाव में कूडादान बनी हुई थी। परिषद के द्वारा संचालित समाजकार्य के विद्यार्थियों और नवांकुर संस्था के स्वयं सेवियों के श्रमदान से बुधवार को इस ऐतिहासिक बावड़ी की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि बावड़ी केवल एक जल स्रोत नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, जल प्रबंधन और जीवन शैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी। यह प्राचीन लोगों के ज्ञान और कौशल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो आज भी हमें प्रेरित करता है। विकासखंड समन्वयक संतोष झारिया ने सफ़ाई के बाद स्थानीयजनों एवं समाजकार्य के विद्यार्थियों को अपनी इस धरोहर को संजोकर रखने हेतु मार्गदर्शन दिया एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस श्रमदान कार्यक्रम में जन अभियान परिषद् द्वारा चयनित नवांकुर संस्था इनर वाईस सोसाइटी प्रमुख नवीन झारिया, परामर्शदाता श्रीमती रागिनी हरदहा, संतोष रजक, लालाराम चक्रवर्ती, अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं समाजकार्य स्नातक-स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

धार में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मोहन यादव ने खातों प्रदाय की राशि

*** सिंगल क्लिक से श्रमिक परिवारों को मिली अनुग्रह सहायता।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को उमरबन, जिला धार में आयोजित सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने पवित्र विवाह बंधन में बंध रहे नव दंपतियों को शुभाशीष दिया। उन्होंने अक्षय तृतीया के पवित्र दिन के अवसर पर प्रदेशवासियों को पूज्य भगवान परशुराम जी की जयंती की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में प्रदेश के श्रमिक परिवारों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजनान्तर्गत 27 हजार 523 श्रमिक परिवारों को 600 करोड़ रुपये की अनुग्रह सहायता राशि का मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक के माध्यम से खातों में अंतरण किया। इसके अलावा किसान कल्याण की किश्त भी जारी की गयी। मंडला के एनआईसी कक्ष में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। एनआईसी कक्ष में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, जिला श्रम अधिकारी सहित संबल योजना के चिन्हित हितग्राही उपस्थित रहे।

ग्राम खटिया में बाल विवाह रोकने हेतु जागरुकता गतिविधियां

मण्डला। भारत सरकार द्वारा 'बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ' अभियान के तहत जिला मण्डला द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत के लिये विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इस उपलक्ष्य में मण्डला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी शालिनी तिवारी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह रोकने हेतु गतिविधियां जिसमें अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में वन स्टॉप सेंटर द्वारा ग्राम खटिया परियोजना बिछिया में बाल विवाह रोकने हेतु जागरुकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान लोगों को बाल विवाह न करने हेतु समझाईश दी गई। उक्त रैली में ग्रामीण वैगा आदिवासी लोग एवं शिक्षक अशोक भावरे, पर्यवेक्षक मधुलिका उपाध्याय और कार्यकर्तायें भी उपस्थित रही। साथ ही मंडला परियोजना में इस अवसर पर उडनदस्ता दल द्वारा विभिन्न स्थानों का औचक भ्रमण किया गया। जिसमें तीन स्थानों पर विवाह स्थल पर जाकर लड़के और लडकी की आयु संबंधी दस्तावेज का अवलोकन किया गया जिसमें सभी विवाह कानूनी तौर पर उचित पाए गए। उड़नदस्ता दल में दीपिका तारन जिला विधिक सहायता अधिकारी, अनूप कुमार नामदेव परियोजना अधिकारी, पीएलवी शिखा श्रीवास्तव एवं मनीष तिवारी लिपिक, पर्यवेक्षक संगीता श्रीवास मंडला उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न परियोजना अधिकारियों द्वारा विवाह करने वाले जोड़ों की उम्र का सत्यापन किया गया एवं नारे लेखन करवाये गये और शपथ भी दिलवाई गई जिसमे आगनवाडी कार्यकतायें, जन समुदाय एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

अक्षत तृतीया | **नावघाट स्थित भगवान परशुराम मंदिर प्रांगण में हुआ आयोजन।**

वैदिक रीति से हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

*** करीब दो दर्जन ब्राम्हण बालकों का हुआ जज्ञोपवीत संस्कार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

दो दिवसीय भगवान परशुराम के प्रकटोत्सव के अवसर पर बुधवार को सिंहवाहिनी वार्ड के नावघाट स्थित भगवान परशुराम मंदिर के पास मैदान में बाम्हण बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। जिसमें करीब दो दर्जन ब्राम्हण बालकों को जज्ञोपवीत संस्कार कराया गया है। वैदिक विधि-विधान से यज्ञोपवीत संस्कार के बाद शोभायात्रा निकाली गई।

माहिष्मती सर्व ब्राह्मण सभा मंडला के अध्यक्ष पं. आकाश दीक्षित, सचिव पं.अशोक दुबे कुररिया उपाध्यक्ष पं.प्रशांत बाजपेयी कोषाध्यक्ष पं.ऋषि तिवारी, भगवान परशुराम मंदिर के पुजारी पं.संतोष शुक्ला ने बताया कि भगवान परशुराम प्रकटोत्सव के अवसर दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें मंगलवार को जहां उपनगर महाराजपुर से मंडला के सिंहवाहिनी वार्ड के भगवान परशुराम मंदिर तक भव्य वाहन रैली निकाली गई वहीं बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन ब्राम्हण बालकों का यज्ञोपवीत संस्कार किया गया है। मंडला सहित अन्य जिलों से भी यज्ञोपवीत के लिए ब्राम्हण बटुकों को लेकर उनके परिजन पहुंचे थे जिनके लिए आयोजकों द्वारा चाय, नाश्ता, भोजन आदि की भी व्यवस्था की गई थी। बताया गया कि जीवन में होने वाले जरूरी 16 संस्कारों में यज्ञोपवीत संस्कार 10 वां संस्कार है, बताया गया कि यज्ञोपवीत धारण करने के बाद ब्राम्हण बटुकों को जनेऊ धारण करने का आध्यात्मिक महत्व भी समझाया गया है जिसमें बताया गया कि तीन धागे वाले जनेऊ धारण करने वाले व्यक्ति को आजीवन ब्रह्मचर्य का पालन करना होता है। जनेऊ के तीन धागे को देवऋण, पितृऋण और ऋषिऋण का प्रतीक माना जाता है। इसे सत्व, रज और तम और तीन आश्रमों का भी प्रतीक माना जाता है। विवाहित व्यक्ति के लिए छह धागों वाला जनेऊ होता है। इन छह धागों में से तीन धागे स्वयं के और तीन धागे पत्नी के लिए माने जाते हैं। हिंदू धर्म में किसी भी धार्मिक या मांगलिक कार्य आदि करने के पूर्व जनेऊ धारण करना जरूरी है। बगैर जनेऊ के किसी भी हिंदू व्यक्ति का विवाह संस्कार नहीं होता है। यज्ञोपवीत संस्कार पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ कराया गया। करीब दो दर्जन ब्राम्हण बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया है इनमें मंडला जिले के साथ आसपास के जिलों से भी ब्राम्हण बटुक, उनके परिजनों के साथ, बड़ी संख्या में ब्राम्हण समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा भी पहुंचे थे। कार्यक्रम के समापन पर सभी ब्राम्हण बटुकों को भगवान परशुराम का स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत डालाखापा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत डालाखापा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत डालाखापा, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत डालाखापा, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत कुम्हां जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत कुम्हां में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत कुम्हां, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत कुम्हां, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत अमदरा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत अमदरा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत अमदरा, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत अमदरा, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत मानेगांव जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत मानेगांव में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत मानेगांव, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत मानेगांव, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत चकदेही जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत चकदेही में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत चकदेही, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत चकदेही, जनपद पंचायत नारायणगंज

कार्यालय ग्राम पंचायत कापा जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचना:-

ग्राम पंचायत कापा में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव, ग्राम पंचायत कापा, जनपद पंचायत नारायणगंज — सरपंच, ग्राम पंचायत कापा, जनपद पंचायत नारायणगंज

खबर संक्षेप

जल संरक्षण व संवर्धन के लिए छात्राओं ने अपने हाथों में मंहदी सजाते हुये दिया जागरूकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। जल गंगा संवर्धन अभियान जिले में 30 जून तक निरंतर चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत अंतर्गत जल संरचनाओं का निर्माण व पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई तथा ग्राम चौपाल, रंगोली प्रतियोगिता, जल संवाद, संगोष्ठी, रैली, शपथ, दीवार लेखन आदि के कार्य निरंतर किये जा रहे हैं। इस कार्य में जहां जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी, मप्र जनअभियान परिषद की संस्थाओं के अलावा आम नागरिक भी अपनी सहभागिता स्वेच्छा से निभा रहे हैं। वही इसी क्रम में मप्र जनअभियान परिषद के तत्वाधान में बीते हुये दिवस विकास खंड चीचली के उत्कृष्ट विद्यालय में परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सामाज कार्य में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की छात्राओं ने अपने हाथों में मेहंदी सजाते हुये जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। साथ ही अभियान से जुड़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

इस सच्चाई के चलते अपने साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को भी पहुंचाते है खतरा, प्रशासन की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात में सुधार लाने की बात को लेकर चालानी कार्यवाही करते हुये देखा जाता है, जिसमें अनेक इस प्रकार के लोगों के खिलाफ भी पुलिस द्वारा अपनी चालानी कार्यवाही करने से नही चूकती है जो किसी भूलवस अपने वाहनों के जरूरी कागज घरों पर भूल जाते है और उन्हें पुलिस की इस कार्यवाही का शिकार होना पड़ता है? मगर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो पुलिस द्वारा उन लोगों को पूर्णरूप से नजर अंदाज कर दिया जाता है जो एक बाइक पर तीन की जगह खुलेआम चार चार लोग बैठते हुये जहां यातायात नियमों की धज्जिया तो उडाते हुये देखे ही जाते है साथ ही साथ अपनी व दूसरों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूकते है? इस बात की सच्चाई बीते दिवस नगर के मुख्य बाजार में उस समय देखने मिली जब एक बाईक पर चार लोग बैठते हुये पुलिस थाने के ठीक सामने से निकलकर बाजार तक पहुंच गये पर पुलिस द्वारा इनके खिलाफ कार्यवाही करने की बात तो दूर उन्हें रोककर हितायद देना भी जरूरी नही समझा? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इस प्रकार के वाहनों के माध्यम से कोई सड़क घटना घटित हो जाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्योंकि इस प्रकार से वाहनों के संचालन को पुलिस प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि वाहन चालक खुद के साथ साथ दूसरों की जिन्दगी को भी खतरा पैदा करने से नही चूक रहे है, मगर इसके भी पुलिस द्वारा इस सच्चाई को जिस प्रकार से नजर अंदाज किया जा रहा है उसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होना आम बात होता जा रहा है।

आज मजदूर दिवस पर भी दो वक्त की रोजी रोटी को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे अनेक दिहाड़ी काम करने वाले गरीब व मध्यम वर्ग के परिवार

शासन की योजनाओं के बाद भी विकास से कोसों दूर हाड़तोड़ मेहनत करने वाले मजदूरों पर भारी पड़ रही मंहगाई की मार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

आज 1 मई को श्रम को अभिनंदन करने का उत्सव अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस हैं। मगर गौर किया जावे तो इसके बाद भी अनेक मजदूर इस बात से अनविज्ञ होकर अपना व अपने बच्चों का पेट भरने को लेकर चिंता में नजर आने से नही चूक पा रहे है...? कहने को तो शासन द्वारा मजदूरों के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। किंतु बिडम्बना की बात है कि उन योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को आज भी मजदूरी करते हुये अपने बच्चों का पेट पालने के लिये मजबूर होना ही पड़ता है तो अपात्र जरूर अधिकारियों की मिली भगत से इन योजनाओं को लाभ लेते हुये माला माल होते चले जा रहे है..? जबकि हर साल मजदूर दिवस पर शहर और क्षेत्र के मजदूरों की मेहनत को सराहने वाले आयोजन कराने में प्रशासन उदासीनता का परिचय देता है। जिसका नतीजा है कि आज 1 मई मजदूर दिवस पर भी श्रमिक अवकाश का आनंद उठाने की जगह जहां तहां भवन निर्माण कार्यो से लेकर मिलों व बाजारों में कड़ी मशक्कत कर अपना पसीना बहाते हुए दिखाई देने से नही चूकते है और शायद ही इस बात का किसी मजदूर भाई को पता रहता हो कि आज उनका ही दिवस है...। बैसे भी देखा जावे तो बीते हुये कुछ वर्षो से देश में कोरोना के प्रकोप से जिस तरह महगांई ने गति पकड़ी है वह रूकने का नाम ही नही ले रही है जिसके चलते गरीब व मध्यम वर्ग के परिवारों के लिये अपने बच्चों का दो वक्त का पेट भरना मुश्किल होने लगा है। भले की कोरोना महामारी से देश को निजात मिल चुकी है। मगर कोरोना की आड में दुकानदारों द्वारा जिस तरह जरूरी सामग्री के दामों में इजाफा किया गया था वह आज भी उससे आगे की ओर अग्रसर होते हुये देखा जा रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि शासन द्वारा मजदूरों के हितों को ध्यान में रखते हुये अनेक प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। मगर इसके बाद भी मजदूरों की सूरत बदलते हुये शायद इसलिये दिखाई नही दे पा रही है। क्योंकि उन योजनाओं का लाभ पात्र माने जाने वाले लोगों को जानकारी के आभाव में शासन की योजनाओं का लाभ मिल ही नही पाता है, जिसके चलते शासन का मजदूरों के नाम पर पैसा तो जरूर खर्च हो रहा है। मगर अपात्र मजदूर बनकर योजनाओं पर अपना कब्जा जमाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? वही दूसरी ओर देखा जावे तो बीते हुये कुछ वर्ष पहले मजदूरों के नाम पर अनेक प्रकार की योजनाओं की शुरूआत हुई थी और उनके संचालन होने के बाद भी मजदूरों की स्थिति जहां की तहां दिखाई देने से नही चूक पा रही है और आज मजदूर दिवस के मौके पर शायद ही किसी मजदूर को इस बात की जानकारी हो की आज मजदूर दिवस है और वह रोज की तरह तेज धूप की तपन के बीच अपने बच्चों का पेट भरने के लिये सड़को पर हाथ ठेला तो मकानों की दिवारों पर जान जोखिम में डालते हुये काम करते हुये दिखाई दे रहा होगा। मगर इसके बाद भी जब शाम के वक्त दिन भर जी तोड़ मेहनत करने के बाद मजदूर अपनी मेहनत का फल लेने पहुंचता है तो वह भी समय पर मिलने की संभावना कम ही लगने से नही चूकती है? क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि इन गरीब मजदूरों से काम लेने वाले लोगों द्वारा मजदूरों को एक कप चाय पिलाने की जगह उनसे उम्मीद करते हैं कि वे अपनी मजदूरी के पैसे न मॉगे और इस स्थिति में भी लोगों द्वारा मजदूरों को काम के बदले में पैसा देने की बात पर एक दो दिन के बाद ले लेना जैसे शब्दों का संबोधन करते हुए टरकाने से नही चूकते है? गौरतलब है कि शहर में बीड़ी मजदूरों की तादाद अधिक होने के साथ साथ अन्य जगहों पर चल रहे कार्यो के लिए नगर सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के मजदूरों वर्षो से जहां तहां काम करते हुए देखा जाता है जिन्हे भीषण महॅगाई के दौर में पर्याप्त मजदूरी, चिकित्सा सुविधा नही मिल पा रही है। वही दूसरी ओर मंडी में काम करने वाले हम्माल हो या फिर ठेला चालक तथा अन्य काम कर अपनी जीविका चलाने वाले मजदूरों हकीकत यह है कि उनकी तरक्की में जालिम समय बाधक बना हुआ है? पहले की अपेक्षा उनकी मजदूरी में बढ़ोत्तरी अवश्य हुई है पर अधिकतर मजदूरों के बच्चे शिक्षित नही हो पा रहे है और वे आज भी जर्जर आवासों में रहकर अपनी जिन्दगी काटते हुए देखे जा रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अच्छा रहन सहन व आधुनिक सुविधाएँ तथा बेहतर वातावरण की विशेषताएँ क्या होती है इससे प्रायः अंजान मजदूरो की नियति में शामिल हो चुका है? वही लगातार हाड़ तोड़ मेहनत कर किसी तरह गृहस्थी की गाड़ी खीचना उनकी जिन्दगी की एक दिनचर्या बन चुका है। इसी के चलते शायद ही किसी मजदूर को यह पता हो कि आज मजदूर दिवस है और उन्हें इस बात का अहसास करने वाला भी शायद कोई नही होगा जिसके चलते आज भी अनेक मजदूर रोज की तरह काम करते हुए देखे जा रहे है। जाहिर है मजदूरों की यह दशा समय के हिसाब से ठीक नहीं है। वही दूसरी ओर यदि ग्रामीण क्षेत्रों पर नजर डाली जावे तो पंचायतों द्वारा मजदूरों से पंचायत के विकास कार्यों में काम जरूर लिया गया है मगर अनेक पंचायतों द्वारा इन मजदूरों को भुगतान नही किये जाने के कारण वह परेशान होते हुये देखे जा रहे है। क्योंकि लोगों द्वारा मजदूरों से मेहनत कराने के बाद उनका पैसा देने में भी इस प्रकार से परेशान किया जाता है जिसके उदाहरण अनेक जगहों पर देखने आसानी से मिल जाते है..? इस प्रकार लगातार बढ़ रही महंगाई के दौर में फैशन परस्ती पैसे की मारा मारी व बाजारी करण के चल रहे दौर भी मजदूरों की अपेक्षाएँ सीमित हैं। किंतु दुर्भाग्य पूर्ण सच्चाई है कि काम लेते वक्त जिस तरह मजदूरों की मनुहार की जाती है। वह काम निकलते ही खत्म हो जाती है और लोगों के ओटो से मजदूरों की सराहना के दो बोल भी नहीं फूटते, इससे ऐसा लगता है कि अधिकतर व्यक्ति श्रम का सम्मान नही करना चाहते और मजदूरों की समस्याओं की तह में नही जाकर मजदूरों का इस्तेमाल केवल लोहे की मशीनों की तरह करना चाहते है? कहने को तो सरकार द्वारा मजदूरों के लिए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए उनका भला करने की बात कही जाती है। मगर शासन द्वारा मजदूरों के हितों में चलाई जा रही योजनाओं का इन मजदूरों को कितना लाभ मिल रहा है शायद ही इस बात की खबर कोई लेने वाला हो? जिसके चलते मजदूरों की योजनाओं पर पूंजीपति जरूर माला माल होते हुए देखाई दे रहे है और मजदूरों की स्थिति जहां की तहां दिखाई देते हुए जान पड़ रही है?

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

चीचली। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई नगर में चल रही अनेक होटलों से लेकर अंडा दुकानों से लेकर शादी समारोहों में धडल्ले से घरेलू गैस का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। मगर अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई का नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित ही चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार घरेलू गैस का उपयोग सिर्फ घर के रसोई घरों में ही किया जा सकता है। मगर प्रशासन की अनेदेखी का परिणाम है कि रसोई गैस सिलेण्डरों का उपयोग धडल्ले से इस समय चल रहे शादी सीजन के चलते शादी समारोहो से लेकर अन्य कार्यक्रमों में होने के अलावा सड़क किनारे चलने वाले चाय नास्ता सहित अंडा दुकानों पर तक धडल्ले किया करते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गैस चलने वाले वाहनों में तक इस प्रकार से गैस किटों में घरेलू गैस सिल्डरों के माध्यम से गैर पलटी करते हुये वाहनों को दौड़ाया जा रहा है? मगर पता नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन रसूखदार मालिको के बड़े

प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यो नही जुटा पा रहे है। यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है..? जबकि घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद नजर आने से नही चूक पा रहे है। शादियो में खुलेआम हो रहा दुरूपयोग- यह अधिकारी जब शाम ढले किसी विवाह समारोह में सपारिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई दे सकते है। इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा केटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है, वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर शादी पार्टियो में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन- इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल किये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना अनेक प्रकार की चर्चाओं को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है?

लोगों ने अक्षय तृतीया के मौके पर घरों में कराई गुड्डा गुडिया की शादी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

हिन्दू संस्कृति के अनुसार निश्चित तौर से अक्षय तृतीया की शुभ बेला शादी के लिये प्रमुख मानी जाती है और इसी के चलते इस दिवस हर वर्ष शादियों की धूम देखने मिलती है। माना जाता है कि शास्त्रों के अनुसार इस दिवस शादी के कार्यक्रम बगैर मुहुर्त के आयोजित किये जा सकते है और इसी का परिणाम रहता था कि हर वर्ष जहां अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जहां तहां सामूहिक विवाह सम्मेलनों की धूम देखने मिलती थी, तो दूसरी ओर शहरों के शादी घरों से लेकर सड़को पर देर रात तक बारात लगने का महौल निश्चित ही शहरों को अनूखा रूप धारण करने से नही चूकता था। इसी प्रकार का हाल इस वर्ष भी देखने मिला कि सड़को पर दिन से लेकर देर रात तक बरातें निकलते हुये देखी गई। वही अनेक जगहों पर सामूहिक विवाह सम्मलेन होते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर लोगों द्वारा अक्षय तृतीया की परम्परा का निर्वाहन करते हुये अपने घरों में गुड्डा गुडिया की शादी कराते हुये उनका पूजन कर अपने धर्म व संस्कृति का निर्वाहन किया गया। इस तरह निश्चित तौर से अक्षय तृतीया का पावन पर्व शादी के लिये मुख्य होता है और हमारे शास्त्रों के अनुसार इस दिवस बगैर किसी मुहुर्त के शादी होने की जो परम्परा रही हे उसके अनुसार शादियों की धूम देखने मिलती है।

अक्षय तृतीया के अवसर पर किसानों ने हल जोतकर की खेती की शुरूआत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। किसानों के लिये अक्षय तृतीया का पावन पर्व मुख्य रहता है। बताया जाता है कि क्षेत्र के किसान इस दिवस के मौके पर अपने खेतों की जुताई करने की शुरूआत करते हुये। इस संबंध में बुजुर्ग किसानों का कहना है कि हर किसान होलिका दहन के मौके पर अपने हल बखर की पांस व दतुआ को होलिका दहन की तपन दिखाने के बाद संभालकर रख देते है। इसके बाद उनके द्वारा अक्षय तृतीय के मौके पर धरती माता का पूजन करते हुये खेतों में हल की जुताई करते हुये नये सिरे से खेतों की जुताई करना शुरू करते है। यह बात अलग है कि अब अलग अलग फसलों के पैदावार के चलते 12 माह खेतों में हलों से जुताई होते हुये देखी जाने लगी है। मगर पूर्व की परम्परा के अनुसार जब धरमी माता से किसानों द्वारा मात्र एक ही फसल ली जाती थी तो इस तरह अक्षय तृतीया का पर्व उनके लिये महत्वपूर्ण माना जाता था, जिसके चलते आज भी गांवों में अनेक किसानों द्वारा अपनी पुरानी संस्कृति को मानते हुये खेतों में पहुंचकर इस मौके पर धरती माता का पूजन करने के साथ साथ खेतों में जुताई का शुभारंभ करने से नही चूकते है।

परशुराम प्रगटोउत्सव ब्राम्हण महासभा द्वारा कल निकाली जावेगी भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्षय तृतीया परशुराम प्रगटोउत्सव पर के मौके पर बुधवार को नगर के खखरिया वाले दादा मंदिर में भगवान परशुराम का पूजन अर्चन करने के साथ आरती का आयोजन किया गया। वही प्रसादी वितरण हुई। वही बताया जाता है कि इस इस अवसर पर नर्मदा अष्टक का पाठ हुआ और भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर चर्चा हुई। पूजन के बाद शासकीय चिकित्सालय में सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा खिचड़ी वितरण की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विप्र वर्ग के बंधु उपस्थित मौजूद थें। परशुराम प्रगटोउत्सव का मुख्य कार्यक्रम कल 2 मई को नगर के पुराने कालेज खेल मँदान पर संपन्न होगा जिसमें एक विशाल शोभा यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकल जाएगी तत्पश्चात शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जावेगे।

कक्षा पांचवी व आठवीं पुनर्गणना कार्य संपन्न

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ विकास खंड चीचली में कक्षा पांचवी आठवीं के मूल्यांकन केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में पुनर्गणना का कार्य संपन्न हुआ। यह कार्य सभी विषयवार मुख्य परीक्षक तथा मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा पूर्ण किया गया। वही बताया जाता है कि पुनर्गणना कार्य के उपरांत आरएसके पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि की गई। इस कार्य में मूल्यांकन केंद्र प्रभारी भूपेश ठाकुर, सहायक मूल्यांकन केंद्र प्रभारी सत्यम ताम्रकार, स्ट्रांग रूम प्रभारी गिरीश ताम्रकार, डाटा एंट्री कार्य धीरज जसाठी के अतिरिक्त सभी विषय के मूल्यांकनकर्ताओं की उपस्थिति रही। यह मूल्यांकन संबंधित पुनर्गणना कार्य जिला परियोजना समन्वयक के मार्गदर्शन तथा विकास खंड स्त्रोत समन्वयक डी के पटेल के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

मध्यम व गरीबों के लिए अभिशाप बनी दहेज प्रथा

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। सामाजिक संस्थाएं, शासन प्रशासन चाहे लाख दावा करें..। लेकिन सच्चाई यह है कि समाज मे दहेज प्रथा की पूरी तरह से समाप्ति न होने से माध्यम वर्गिय परिवारों की बहुत सी युवतियॉ हर साल अविवाहित रह जाती है या फिर वरपक्ष के दहेज लोभियों की मांग पूरी न होने से उस पिता के अरमान भी अधूरें रह जातें है जिसने अपनी प्यारी बिटिया को खून पसीने की कमायी से परवरिश कर शिक्षित और सर्वगुण सम्पन्न बनाया होता है? वही लोगों द्वारा इस बर वक्ष की दहेज रूपी मांग को पूरा करने के लिए अनेक कन्याओं के पिता कर्ज में फंसकर दहेज लोभियों की मांग को तो पूरा कर देते है। मगर बाद की स्थिति इस प्रकार से होती है कि उसका लेकर वह कर्ज पटाते हुए गुजारते हुए देखे जाते है? गौरतलब है कि क्षेत्रीय स्तर पर भी कारगर ढंग से दहेज मॉगने पर बंदिया नही लग सकी, जहॉ अभीर माने जाने वाले साधन संपन्न लोग अपनी शानों शौकत का प्रदर्शन कर न्यौछावर, उपहार के नाम वर पक्ष को भारी भरकम दहेज राशि देकर एक तरह से लक्ष्मी को आपमानित कर रहे है, वही दूसरी तरफ दहेज की चाहत की धधकती ज्वाला के बीच वह गरीब मुसीबत में पड़ गया, जिसके लिए भीषण महँगाई के दौर आजीविका चलाना कठिन हो गया है,उसकी माली हालत को नजर अंदाज कर देखा जा रहा है कि वरपक्ष की तरफ सें उस पर धन या दहेज सामग्री देने का दबाब बनाया जा रहा है, नतीजतन अधिकांश गरीब कर्जदार हो रहे है और अपने ऑगनों में गूँजतें बैण्डबाजों की आवाज के बीच उनकी आत्मा पुकार रही होती है कि अब तो बदलतें दौर में अब तो दहेज प्रथा का सर्वनाश होना चाहिए।

बनवारी स्कूल में आयोजित किया गया तेजस्वी मेला, छात्र छात्राओं ने सजाये स्टाल

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बनवारी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में तेजस्वी मेले का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस मेले का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के पूजन एवं वंदना से प्राचार्य आनंद कुमार चौकसे सहित वरिष्ठ शिक्षक संतोष श्रीवास, सुनील कुमार द्विवेदी ,उमाकांत पचौरी के द्वारा किया गया। वही कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत संस्था के तेजस्वी छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। वही मेले में प्राचार्य चौकसे ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गए उत्पादों जिनमे अंबेडकर टीम ने होम डेकोरेशन सामग्री, तेजस टीम द्वारा होममेड अगरबत्ती, रानी दुर्गावती टीम द्वारा मैजिक ग्लू, रानी लक्ष्मीबाई टीम द्वारा होम डेकोरेशन आइटम एवं शिवाजी टीम द्वारा मल्टीपरपस पेन होल्डर सहित अन्य प्रकार की जरूरी आईटम किये गये थें जिनकी जानकारी प्रदान की गई। वही कार्यक्रम में तेजस्वी प्रभारी के पी वर्मा व सहयोगी लालजी प्रसाद कपाड़िया के द्वारा बच्चों को उचित मार्ग दर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया। इस अवसर पर आशीष कुमार शर्मा, हल्के वीर पटेल, कंचन रजक, प्रतीक गुप्ता, सरला झरिया, दिलीप शुक्ला, वंदना द्विवेदी, आरती धानक, आनंद तिवारी ,लकी द्विवेदी, रितु पटेल, नम्रता चौकसे, लोकेंद्र वर्मा, प्रमोद कुशवाहा के अलावा अभिभावकों सहित स्कूल बच्चें मौजूद थें।

खबर संक्षेप

ई-केवाईसी अभियान में जिले ने 93.65 प्रतिशत कार्य कर प्रदेश रैंकिंग में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा-निर्देशन में जिले के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के खाद्यान्न हितग्राहियों के ई- केवाईसी अभियान में उल्लेखनीय कार्य हुआ है अनूपपुर जिले में अब तक 93.65 प्रतिशत खाद्यान्न हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य किया जा चुका है प्रदेश भर में किए जा रहे ई-केवाईसी कार्य में प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में अनूपपुर जिले की रैंक दूसरे स्थान पर है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने खाद्य विभाग तथा ई- केवाईसी कार्य में जुटे अमले को बधाई दी है। उन्होंने शेष हितग्राहियों के ई - केवाईसी का कार्य जल्द पूर्ण करने को कहा है।

जिले के नर्मदा परिक्रमा पथ पर परिक्रमावासियों की बढ़ेगी सुविधाएं

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । राज्य शासन द्वारा जीवनदायनी मां नर्मदा के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल बनाए रखने तथा समग्र विकास, नर्मदा परिक्रमा पथ एवं पथ के समीप के ग्रामों का चिन्ह्यांकन नर्मदा नदी के प्रवाह व अधिक जल स्तर वाले ग्रामों का चिन्हकन, पथ का राजस्व नक्शे में सीमांकन कर पथ का निर्धारण, ग्रामीण यांत्रिकी व ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा पद की विस्तृत कार्य योजना व यात्री निवास हेतु स्थलों के चयन के परिपेक्ष में कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है कि नर्मदा परिक्रमा मार्ग में परिक्रमा वासियों के लिए जन सुविधा के विस्तार के तहत अनूपपुर जिला अंतर्गत पुष्पराजगढ़ विकासखंड के 14 ग्रामों में अलग-अलग तरह के जन सुविधा कार्य प्रस्तावित किए गए हैं जिनमें सामुदायिक भवन,सीएचसी, सोलर लाइट, हैंड पंप, घाट निर्माण, किचन शेड, कूप सफाई एवं जगत मरम्मत, ग्रेवल रोड आदि शामिल है। जिला पंचायत के सीईओ तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है कि नर्मदा परिक्रमा पथ अंतर्गत अनूपपुर जिले के 21 ग्राम पंचायत के 39 ग्राम आते हैं।

कल्पवृक्ष के मृदा क्षरण को रोकने किया गया गेवियन संरचना का निर्माण

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कोयलारी के ग्राम सिवनी संगम में नर्मदा नदी के तट पर पौराणिक कल्पवृक्ष स्थित है नर्मदा नदी के तट पर होने के कारण कल्पवृक्ष के मेढ की मिट्टी नर्मदा नदी में बहाव अधिक होने से कल्पवृक्ष को मृदा क्षरण से खतरा उत्पन्न हो गया था। पौराणिक मान्यता व जन आस्था के कारण कल्पवृक्ष का अत्यंत महत्व है जिसे दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा इसके संरक्षण संवर्धन के प्रयास प्रारंभ किए गए अब कल्पवृक्ष मे मृदा क्षरण को रोकने होने के लिए व्यवस्थित संरचना बनाई गई है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023- 24 में ग्रेवियन संरचना निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई थी जिसकी स्वीकृति लागत 73 लाख थी वर्तमान में यह कार्य पूर्ण हो चुका है कल्पवृक्ष की सुरक्षा के लिए गेवियन संरचना निर्माण हो जाने से पौराणिक व जन आस्था के केंद्र कल्पवृक्ष को सुरक्षित किया गया है साथ ही उक्त ग्राम के मृदा क्षरण को रोककर ग्रामीणों की जमीन को सुरक्षित करने का भी कार्य किया गया है।

धार्मिक टिप्पणी से आहत लोगों ने थाना पहुंच किया प्रदर्शन

कोतमा हरिभूमि न्यूज। अक्षय तृतीया पर बुधवार को सोशल मीडिया पर कुछ सिरफिरे युवकों द्वारा सनातन धर्म एवं कथावाचक के खिलाफ अमर्यादित एवं अभद्र पोस्ट किए जाने के खिलाफ नगर के युवाओं द्वारा आक्रोशित होते हुए थाना पहुंच गए। थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की गई। बताया जाता है कि सोशल मीडिया पर 3 युवकों द्वारा सनातनियों को अभद्र एवं अशोभनीय भाषा का उपयोग करते हुए गाली गलौज किया गया है ।

प्रकृति, आस्था और परंपराओं का संगम डगौना फॉल

डिंडोरी न्यूज। डगोना वाटरफॉल मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित एक अद्भुत प्राकृतिक स्थल है। यह प्रपात बुढ़नेर नदी पर बसा हुआ है और ग्राम गौरा व कन्हारी के बीच स्थित है। यहां का शांत वातावरण और चारों ओर फैले साल के घने जंगल इसे एक अनोखा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

भूगर्भीय संरचना और नामकरण

'डगोना' नाम हिंदी के 'डग' शब्द से प्रेरित है, जिसका अर्थ है "कदम।" इस नाम के पीछे यह रोचक तथ्य है कि बुढ़नेर नदी यहां इतनी संकरी हो जाती है कि इसे एक कदम में पार किया जा सकता है। यह स्थल नदी की तेज धाराओं के कारण प्राकृतिक कटाव से बनी गहरी चट्टानी संरचनाओं का उदाहरण है।

बुढ़नेर नदी का पानी बेहद साफ और प्रदूषण रहित है। यहां पानी का बहाव तेज होने के कारण कुछ स्थानों पर गहराई अधिक है, जो इसे रोमांचक और खतरनाक दोनों बनाता है।

धार्मिक महत्वः बूढ़ी माई का मंदिर

डगोना वाटरफॉल के समीप ही बूढ़ी माई का एक प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। यह स्थल स्थानीय लोगों के लिए धार्मिक आस्था का केंद्र है। यहां महाशिवरात्रि और मकर संक्रांति के अवसर पर वार्षिक मेलों का आयोजन होता है, जिसमें क्षेत्रीय ग्रामीण बड़ी संख्या में भाग लेते हैं। इन मेलों में श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेते हैं।

बैगा जनजाति और उनकी परंपराएं

डगोना क्षेत्र बैगा जनजाति के निवास स्थान के रूप में जाना जाता है। यह जनजाति प्रकृति पूजक है और अपनी पारंपरिक रीति-रिवाजों के लिए प्रसिद्ध है। महाशिवरात्रि के मेले में बैगा जनजाति के युवक-युवतियां पारंपरिक वेशभूषा हैं। यह उनकी संस्कृति और परंपराओं का अनोखा पहलू है।

पर्यटन सुविधाएं और ठहरने की व्यवस्था

इस क्षेत्र में पर्यटकों के लिए कोई विशेष ठहरने की व्यवस्था नहीं है। डिंडोरी जिला मुख्यालय में होटल और लॉज उपलब्ध हैं। इसके अलावा, गौरा-कन्हारी गांव में वन विभाग का एक रेस्ट हाउस है, लेकिन यह आमतौर पर वन अधिकारियों के लिए आरक्षित होता है डिंडोरी जिला मुख्यालय से डगोना वाटरफॉल तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग सबसे आसान है। मानसून और सर्दियों के दौरान इस झरने का प्रवाह सबसे अधिक सुंदर होता है, इसलिए यह समय पर्यटन के लिए आदर्श है।

डगोना वाटरफॉल प्राकृतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का एक अद्भुत स्थल है। यह स्थल पर्यटन के माध्यम से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है बल्कि मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर कर सकता है। इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए ठहरने और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता है।

माँ नर्मदा के संरक्षण के लिए डिंडोरी में स्वच्छता अभियान आयोजित, नवांकुर संस्था के सदस्यों ने निभाई अहम भूमिका

डिंडौरी।

जन अभियान परिषद, विकासखंड डिंडोरी में आयोजित बैठक के दौरान 'जल गंगा संवर्धन योजना' के अंतर्गत माँ नर्मदा जी के पवित्र डेम घाट पर भव्य स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य माँ नर्मदा की निर्मलता को बनाए रखते हुए स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाना था।कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक गणेश राजपूत जी के नेतृत्व में नवांकुर संस्था के कई सक्रिय सदस्य, जिनमें अजय ठाकुर, भीखम सिंह, अरुण कुमार चंदेल, मनोज मार्को, प्रेमलाल बनवासी, राजीव बर्मन और शरद कुमार यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी सदस्यों ने समर्पण भाव से माँ नर्मदा के तट पर सफाई अभियान चलाया और घाट से प्लास्टिक, कचरा व अन्य अवशेषों को हटाया।

माँ नर्मदाः हमारी संस्कृति और जीवन का प्रतीक

कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि माँ नर्मदा न केवल मध्य प्रदेश बल्कि सम्पूर्ण भारत की संस्कृति, आस्था और जीवन का आधार हैं। उनकी स्वच्छता और संरक्षण हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। उपस्थितजनों ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास का परिणाम होनी चाहिए, ताकि हमारी भावी पीढ़ियाँ भी स्वच्छ नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता

सफाई अभियान के माध्यम से यह भी संदेश दिया गया कि प्राकृतिक जल स्त्रोतों की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि नदियों में प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट पदार्थ डालने से जल प्रदूषण बढ़ता है, जो पर्यावरण और जीव-जंतुओं के लिए भी हानिकारक है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सजग और जिम्मेदार बनना चाहिए।

एक प्रेरणादायक पहल

आज का यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह लोगों में जागरूकता फैलाने और सामूहिक प्रयास के महत्व को भी रेखांकित करता है। घाट को स्वच्छ करने के इस छोटे-से प्रयास के माध्यम से एक बड़ी सोच को जन्म दिया गया कि प्रकृति की सेवा, वास्तव में मानवता की सेवा है।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी नियमित रूप से माँ नर्मदा के घाटों की स्वच्छता हेतु कार्य करते रहेंगे और जनसामान्य को भी इस अभियान से जोड़ने का प्रयास करेंगे।माँ नर्मदा हमारे जीवन की धारा हैं, और उनकी निर्मलता को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस तरह के आयोजनों से न केवल पर्यावरणीय चेतना को बल मिलता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ जल और हरित पृथ्वी की सौगात दी जा सकती है।

अमरपुर ब्लॉक में लगातार जन सहयोग से किए जा रहे जल स्रोतों की साफ सफाई

अमरपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं ग्राम पंचायत अमरपुर के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अमरपुर के अमदरी तालाब में सुबह 8 बजे से श्रमदान के पश्चात आमापानी में साफ सफाई की गई। इसके पूर्व मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक बद्री प्रसाद चौहान द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की रूपरेखा बताते हुए जल के महत्व को बताया गया। जिसमें गांव के समस्त जल स्रोत जैसे तालाब, नदी, नाले, कुंआ एवं हैंडपंप आदि की सफाई महीने में एक बार या 15 दिन में करते रहने के लिए बोला गया। जिससे गांव का जलस्तर नीचे ना जाने पाए और आने वाले समय में पानी की विकट समस्या ना हो पाए दिनों दिन जलस्तर नीचे जाने के कारण सिर्फ हमारी गलतियां हैं। हम शासन के निर्भर होकर जल स्त्रोतों का रखरखाव देखरेख नहीं कर पाने के कारण क्षेत्र का जलस्तर नीचे होते जा रहा हैं, जिससे आने वाले समय में पानी की विकट समस्या हो सकती हैं। इसलिए छोटे-छोटे कार्य हम श्रमदान से स्वयं से कर जल स्तर बढ़ा सकते हैं।

आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच रामनाथ उइके, सचिव प्रकाश सोनवानी, रोजगार सहायक संजय यादव और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अमर लाल धुर्वे नगर के वरिष्ठ नागरिकों में गुलाब सिंह ठाकुर, माखन साहू, साहब लाल पुशाम, सांसद प्रतिनिधि धोबी सिंह परस्ते, पार्वती बर्मन, बृजभूषण राजपूत, मनीष ठाकुर तथा जन अभियान योजना अंतर्गत मेंटर्स, नवांकुर संस्था एवं नगर समिति के कार्यकर्ता तथा बड़ी मात्रा में ग्राम के महिला एवं पुरुष मौजूद रहे। जहां पर अंत में सहभोज कार्यक्रम के तहत गक्कड़ भर्ता का आयोजन भी किया गया।

नगर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण जल संकट

कागजों में बह रही जल की धार, हकीकत में बिन पानी जीवन बेजार

बुढ़ानपुर में बूंद बूंद पानी को मोहताज ग्रामीण

कोतमा हरिभूमि न्यूज । जैसे-जैसे गर्मी अपना तेवर दिखा रही है वैसे-वैसे ही पानी का संकट नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गहराता जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जल संकट को लेकर पूरी तरह अनदेखा कर रहे हैं। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ानपुर गांव के हरिजन बस्ती, कोलान टोला सहित अन्य वार्डो में रहने वाले लोग बूंद बूंद पानी के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं।

हैण्डपंप उगल रहे हवा

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में 40 से ज्यादा लगाए गए हैंडपंपों में से आधे से ज्यादा हैंडपंप सिर्फ हवा उगल रहे है। कुछ पंपों में दूषित एवं जंग लगा पानी आ रहा है। गिने चुने पंप ही सही है। मजबूरन लोगों को दूसरे टोला, मोहल्ला से पानी लाना पड़ता है। गांव के कोलान टोला में रहने वाले लोगों को लगभग आधा किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है जिस कारण उनका पूरा दिन पानी लाने में ही निकल जाता है। गर्मी में जल स्तर नीचे होने के कारण हैंड पंप में लंबी-लंबी लाइन भी लगी रहती हैं। घर के ज्यादातर सदस्यों का पूरा दिन पानी के लिए संघर्ष करने में ही निकल जाता है। जल समस्या को लेकर कई बार वार्ड वासियों द्वारा सरपंच सहित अन्य अधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन सरपंच मिठाई लाल द्वारा वाटर लेवल कम होने का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी पूरा कर लेते है।

नही मिला नलजल योजना का लाभ

जनपद पंचायत कोतमा के मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत बुढानपुर गांव मे अभी तक नलजल योजना का लाभ नही मिल पाया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा नल जल योजना का अभी तक टेंडर ही नहीं करवाया गया है। जिस कारण ग्राम पंचायत बुढानपुर गांव के किसी भी वार्ड में पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। जबकि यह ग्राम पंचायत जनपद पंचायत मुख्यालय से सटा गांव है।

पानी के लिए होती है परेशानी

ग्राम पंचायत की मुख्य सड़कों के किनारे ही देखी जा सकती है गांव में 3 दर्जन से ज्यादा हैंडपंप लगे हैं लेकिन ज्यादातर हैंडपंप हवा ही उगल रहे हैं गांव के चौधरी मोहल्ले में लगे तीन हैंडपंपों में से एक हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है। जिस कारण आसपास के रहने वाले लोगों को दूसरे टोला जाकर पानी लाने की मजबूरी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी के लिए कुआं और तालाब के भरोसे हम लोग जिंदा है। पंचायत में कई बार पानी न मिलने की शिकायत की गई। गांव के ही कमलाबाई चौधरी, कौशल्या चौधरी, बेलू बाई, राधा चौधरी, उषा बाई , रामबाई कोल, सन्नू कोल, दीनबंधु सहित अन्य लोगों का कहना है कि हमारे घर की दूरी कोतमा नगर से 2 किलोमीटर भी नहीं है। पंचायत को विशिष्ट ग्राम पंचायत का दर्जा प्राप्त है लेकिन यहां पर मूलभूत आवश्यकता पानी के लिए भी जूझना पड़ता है।

नल जल योजना गायब

गांव में नल जल योजना का पता नहीं है बताया जा रहा है कि अभी तक नल जल योजना का टेंडर ही नहीं हो सका तो पानी कहा से मिलेगा। टेंडर ना होने से ग्राम वासियों को इस साल भीषण गर्मी में नल जल योजना का लाभ मिलना असंभव सा लग रहा है। यही कारण है कि पंचायत के कई वार्डों में आज भी लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। महिलाएं पानी लाने की विवशता में पूरा दिन गुजार देती है। वही जिम्मेदार ऑफिसों में बैठकर खाना पूर्ति करते हैं।

इनका कहना है

नल जल योजना का टेंडर जल्द ही होने वाला है। हैंडपंप के माध्यम से पानी की व्यस्था हो रही है।

दीपक साहू, एसडीओ
पीएचई विभाग
अनूपपुर

संभाग में अखिल भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के पदाधिकारियों की घोषणा

अनूपपुरहरिभूमि न्यूज ।अखिल भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के शहडोल संभाग में संगठनात्मक विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। यह नियुक्तियाँ राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद दीक्षित जी की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे की अनुशंसा पर की गई हैं। शहडोल संभाग के संभागीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सीताराम पटेल को सौंपी गई है। वहीं अनुभवी पत्रकार विनोद द्विवेदी और संतोष टंडन को संभागीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।संभाग के अंतर्गत अनूपपुर जिले के संरक्षक मंडल सदस्य के रूप में सुनील चौरसिया, राजेश सिंह, और अभय पाठक को मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष रामभुवन ने अनूपपुर जिले के कार्यकारिणी घोषित की प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष राम भुवन गौतम की अनुशंसा पर अनूपपुर जिले के लिए भी कार्यकारिणी घोषित की गई है।महासचिवः प्रीतम तिवारी जिला उपाध्यक्षः रवि ओझा, मोहम्मद जावेद, शिव लखन शुक्ला कोषाध्यक्ष सुजीत शुक्ला, सचिव ज्ञानेंद्र पांडे, चंद्रिका चंद्रराष्ट्रीय अध्यक्ष शरद दीक्षित ने नवमनोनीत सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि संगठन पत्रकारों के हित में सदैव तत्पर है और पत्रकारिता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने में सदैव अग्रसर रहेगा।प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की शुभकामनाएं दीं। जिला अध्यक्ष राम भुवन गौतम ने विश्वास व्यक्त किया कि अनूपपुर जिले की नवगठित कार्यकारिणी पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहेगी और प्रशासन से उनके अधिकारों की प्राप्ति हेतु सशक्त भूमिका निभाएगी।

विधि विधान के साथ अमरकंटक में मनाया गया भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव

अमरकंटक हरिभूमि न्यूज । भगवान विष्णु के छठवें अवतार शस्त्र एवं शास्त्र के अद्वितीय ज्ञाता महाबलशाली महा पराक्रमी अपने तप एवं पराक्रम से समाज में समता और न्याय की स्थापना करने वाले भगवान परशुराम जी का पावन जन्मोत्सव पवित्र नगरी अमरकंटक में भी पूरे विधि विधान धार्मिक वातावरण में परंपरागत ढंग से पूजन अर्चन आरती कर अमरकंटक के ब्राह्मण समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नर्मदा उद्गम स्थल परिसर यज्ञशाला में पंडित धनेश द्विवेदी बंदे महाराज एवं पंडित उमेश द्विवेदी बंटी महाराज पूरे विधि विधान के साथ विशेष पूजन अर्चन कराया लगभग डेढ़ घंटे तक पूजन पाठ निरंतर चलता रहा अंत में सभी उपस्थित विप्र जनों ने भगवान परशुराम जी की आरती की सभी को मिष्ठान वितरित कर मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम का समापन नर्मदा मंदिर के

सामने किया गया। भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर मंदिर प्रांगण से विशाल शोभा यात्रा जुलूस नगर के प्रमुख मार्गो से होकर नाका चौराहा तक निकल गया। सभी उपस्थित विप्र समाज जन धर्म ध्वज लेकर डीजे ध्वनि के साथ चलते रहे सभी ब्राह्मण जन भगवान परशुराम जी का जय घोष नारा लगाते रहे। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम एवं विशाल शोभा यात्रा जुलूस में पवित्र नगरी अमरकंटक के ब्राह्मण समाज के पं धनेश द्विवेदी पं उमेश द्विवेदी पं उत्तम द्विवेदी पं राजेश द्विवेदी पं रुपेश द्विवेदी पं अभिषेक द्विवेदी कान्हा पं राधेश्याम उपाध्याय पं रामनरेश शास्त्री पं योगेश दुबे पं रोहित लाल त्रिपाठी पं लखन द्विवेदी पं प्रकाश द्विवेदी पं आकाश द्विवेदी पं अश्वनी तिवारी पं मुनीष पांडेय पं उमाशंकर पांडेय पं श्रवण उपाध्याय पं अंबिका तिवारी पं जितेंद्र तिवारी पं राजहंस तिवारी पं अभिषेक त्रिपाठी पं बिहारी लाल तिवारी पं अभिषेक द्विवेदी पं कमलेश द्विवेदी पं आनंद तिवारी पं धनंजय तिवारी पं राजहंस तिवारी पं मारकंडेय शर्मा पं शिव प्रसाद त्रिपाठी पं रविशंकर तिवारी पं अंजय तिवारी पं कमलेश तिवारी पं सुनील द्विवेदी पं उमाशंकर मिश्रा पं अंजनी मिश्रा पं सनत पांडे पं शैलेंद्र तिवारी अंकुर गौतम तथा मृत्युंजय आश्रम के बालक विप्र शामिल एवं उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

मनरेगा से बन रहे तालाबों पर उपसरपंच ने की शिकायत

तेंदूखेड़ा हरिभूमि न्यूज । विगत दिनों समीपी भामा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले उपसरपंच बसंत सिंह लोधी ने तहसील कार्यालय में लिखित शिकायत कराई है कि पंचायत में मनरेगा के तहत तालाब निर्माण कार्य गुणवत्ता को नजर अंदाज कर कराये जा रहे हैं। मशीनों से काम करवा कर मजदूरों के नाम से राशि निकाली जा रही है।40 से 50 घंटे मशीन चला रहें हैं।दो से ढाई लाख रुपए निकाले जा रहे हैं।जिसकी तत्काल प्रभाव से जांच कराई जाये।

स्मार्ट क्लास शाला प्रधानपाठकों का प्रशिक्षण संपन्न

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज । अशासकीय शालाओं की तर्ज पर छात्रछात्राओं को नवीन तकनीकी आधारित शिक्षण प्रदाय हेतु जिले में सत्र 2024-24 में 25 माध्यमिक शालाओं में स्मार्ट क्लास स्थापित की गई हैं जिसमें प्रत्येक शाला में स्मार्ट क्लास अंतर्गत 2 इंट्रेक्टिव पैनल (डिजीटल बोर्ड) प्रदाय किये गये हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दलीप कुमार के निर्देशन एवं जिला परियोजना समन्वयक डॉ. आर.पी.चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में छात्रध्छात्राओं को तकनीकी आधारित शिक्षा प्रदाय हेतु शाला प्रधानपाठकध्शाला के शिक्षक का एक दिवसीय प्रशिक्षण पी.एम.श्री. माध्य . शाला पुलिस लाइन नरसिंहपुर में प्रदाय किया गया । प्रशिक्षण के दौरान जिला प्रोग्रामर शरद यादव द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी का उपयोग एवं शिक्षकों की भूमिका पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान करते हुए इंट्रेक्टिव पैनल के माध्यंम से ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया । एमआईएस समन्वतयक राजेन्द्रत चैरसिया एवं पंकज साहू द्वारा प्रस्तुणतिकरण एवं इंट्रेक्टिव पैनल पर ई-कंटेन्ट के उपयोग की विधि समझाई गई । शाला प्रधानपाठक संजय चैबे द्वारा मुस्कान ड्रीम संस्था द्वारा पेन ड्राइव में उपलब्ध कराये गई ई-कंटेन्ट को शाला प्रधानपाठकों को प्रदाय किया गया। उक्त प्रशिक्षण में बीआरसी ओ.पी. राय, बी.ए.सी. ब्रजेश नेमा एवं विकासखण्ड एमआईएस समन्वतयक ओ.पी. मेहरा, राजेन्द्र चैरसिया, दीपक श्रीवास्तयव, पंकज साहू, वेदप्रकाश राजपूत एवं श्रीमती सुरिंदर पारोची की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

विद्यार्थियों ने कराटे प्रतियोगिता में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए छात्रा मायामणि लोधी, महिमा लोधी छात्र मंगलम लोधी व हर्ष जाट ने क्रमश स्वर्ण, रजत व काँस्य पदक जीतकर नरसिंहपुर जिले सहित पूरे देश का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर समस्त शाला परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

धूमधाम से निकली भगवान परशुराम जी की शोभायात्रा

विप्रजनों ने सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया

अक्षय तृतीया पर हुए विविध आयोजन

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज। बुधवार को शहर समेत जिले भर में भगवान श्रीपरशुराम का जयघोष गुंजायमान होता रहा। श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव पर जिले भर में ब्राम्हण समाज द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिला मुख्यालय पर सनातन युवा ब्राम्हण सभा के तत्वाधान में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा की शुरूआत श्री नरसिंहपुर मंदिर में भगवान परशुराम जी के पूजन अर्चन के साथ हुई। तत्पश्चात उक्त शोभायात्रा गुलाब चैराहा, सुभाष पार्क चैराहे से मेन रोड होते हुए स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर पहुंची। यहां पर स्वल्पाहार का आयोजन किया गया था। सुभाष पार्क चैराहे पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। इस दौरान भगवान श्री परशुराम जी का माल्यपर्ण कर पूजन-अर्चन के साथ जय-जय परशुराम के नारे भी लगायें। इसके उपरांत स्टेशन से शोभायात्रा व वाहन रैली का समापन अष्टांग चिकित्सालय के सामने हुआ। इस मौके पर सनातन युवा ब्राम्हण महासभा की महिला इकाई ने महाआरती का आयोजन किया। अलावा इसके महिला इकाई द्वारा कृष्ण मंदिर में भी महाआरती का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में विप्रजन उत्साह से मौजूद रहे। इस दौरान शोभायात्रा का गुलाब चैराहा, नगरपालिका चैराहा, अष्टांग चिकित्सालय, पुराने यूको बैंक के पास, सुनका चैराहा, स्टेशन गंज में समाज के सभी वर्गो ने शोभायात्रा के स्वागत के साथ मिष्ठान, पेय पदार्थ और फल वितरित किये। सनातन युवा ब्राम्हण महासभा के अध्यक्ष पंकज महाराज समेत संगठन के सभी सदस्यों ने सफल आयोजन के लिए सभी विप्रजनों को बधाई दी व बेहतरीन व्यवस्थाओं के लिए नगरपालिका प्रशासन, पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पूजन-आरती एवं प्रसाद का वितरण

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर अखिल भारतीय ब्राम्हण एकता परिषद नरसिंहपुर एवं म प्र परशुराम कल्याण बोर्ड के तत्वाधान में बरिया वाले हनुमान मंदिर पी डब्ल्यू डी ऑफिस के पास नरसिंहपुर में पूजन आरती एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम नगर के विप्र विद्वाजनो, महर्षि विद्या संस्थान के प्रशिक्षुओं एवं सभी समाज के गणमान्य नागरिको की उपस्थिति में मंत्रोच्चार एवं वैदिक विधि से किया गया। जिसमें सभी उपस्थित जनों द्वारा भगवान परशुराम के आदर्शो का पालन करते हुए आज के वर्तमान समय में सनातन धर्म की रक्षा का संकल्प लिया।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 257 का विवाह और 9 का हुआ निकाह

मंत्री श्री पटेल ने करेली में नवदम्पत्तियों को दिया आशीर्वाद

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज । प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में उपज मंडी प्रांगण करेली में मुख्यमंत्री कन्या विवाहध निकाह योजना के तहत सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। अक्षय तृतीया के अवसर पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 257 जोड़ों का विवाह व 9 जोड़ों का निकाह किया गया।

मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने मंच से प्रतीक स्वरूप हितग्राहियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाहध निकाह योजना के तहत हितलाभ वितरित किये। उन्होंने वर- वधु पर पुष्प वर्षा कर शुभाशीष प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आज इस आयोजन में शामिल होकर इन सभी वर- वधु को शुभकामनायें देने के लिए आया हूँ।वर- वधु एवं उनके परिजनों को इतने बड़े वातावरण में शायद हम घर पर शादी- विवाह करते तो 100 से 200 लोग ही शामिल होते हैं, लेकिन यहां तो हजारों लोग शामिल हुए हैं। ये आनंद भी हमें विशेष रूप से अपने मानस पटल पर रखना होगा। यह एक ऐसा अवसर है करेली की धरती पर आज पूरे विधानसभा क्षेत्र के 266 वर- वधु परिणय सूत्र में बंध रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री पटेल ने वर- वधु को शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्यादान का बहुत बड़ा महत्व है। बेटियां दो परिवारों को संभालती हैं, एक परिवार जहां जन्मी है और दूसरा परिवार जहां उसकी शादी हुई है। कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला ममार और रामसनेही पाठक ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। राज्य सरकार ने नारी सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण योजना चला रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत अधिकारी- कर्मचारी, नागरिक और बड़ी संख्या में हितग्राही मौजूद थे।

मुख्यमंत्री द्वारा जिले के हितग्राहियों के खाते में अंतरित की गई राशि

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिला धार के उमरबन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना और मुख्यमंत्री जनकल्याण- संबल योजना के तहत विभिन्न हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये। उन्होंने मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत वर्ष 2025- 26 की प्रथम किश्त का वितरण वितरण किया। उन्होंने जिले के एक लाख 15 हजार 660 पात्र हितग्राहियों को दो हजार रुपये के मान से 30 करोड़ 73 लाख 20 हजार रुपये की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री जनकल्याण- संबल योजना के तहत सिंगल क्लिक के माध्यम से जिले के कुल 337 हितग्राहियों के बैंक खातों में 7 करोड़ 53 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की। जिले की गाडरवारा तहसील के 40 हजार 942, गोटेगांव के 29 हजार 591, नरसिंहपुर के 27 हजार 588, करेली के 21 हजार 370, सांईखेड़ा के 17 हजार 565 और तेंदूखेड़ा के 16 हजार 604 हितग्राहियों को दो हजार रुपये के मान से 30 करोड़ 73 लाख 20 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण स्थानीय एनआईसी कक्ष नरसिंहपुर में किया गया। इसके अलावा जिले के अन्य स्थानों में भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोडिया, श्रीमती निशा सोनी, अन्य जनप्रतिनिधि, श्रम पदाधिकारी श्रीमति ज्योति पांडे दुबे, अधिकारी- कर्मचारी और हितग्राही मौजूद थे।

पारंपरिक अंदाज में रचाई गुड्डा गुड़ियों की शादी

नरसिंहपुर हरिभूमि न्यूज । बुधवार अक्षय तृतीय के मौके पर पारंपरिक अंदाज में गुड्डे गुडियों की शादी रचाई गई। जिले भर में हर्षोल्लास से यह त्यौहार मनाया गया। इस दौरान नर्मदा घाटों पर पहुंचकर श्रद्धालुओं ने स्नान कर पुण्य लाभ कमाया। हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया का बड़ा ही महत्व है इस दिन सर्व सिद्धि मुहूर्त के कारण कोई भी कार्य करना शुभ होता है। ऐसी मान्यता है कि शुभ व मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, वस्त्र आभूषणों, घर भूखंड , वाहन सहित अन्य सामग्री की खरीदी करने की साथ साथ मूर्ति स्थापना व उदघाटन के कार्य श्रेष्ठ मानी जाती है। पुराणों में ऐसा लिखा है कि इस दिन पितरों को किया गया तर्पण तथा पिंडदान अथवा किसी भी प्रकार का दान जप तप हवन स्वाध्याय अक्षय फल को प्रदान करता है । अक्षय तृतीया पर गंगा स्नान भगवत पूजा से समस्त पापों का हरण हो जाता है। अक्षय तृतीया के दिन मनुष्य अपने या स्वजनों द्वारा जाने अनजाने ने किए गए अपराधों को सच्चे मन से ईश्वर से क्षमा प्रार्थना करने पर भगवान उनके अपराधों को क्षमा कर उन्हें सद्गुण प्रदान करते हैं। अक्षय तृतीय पावन पर्व पर किए गए कोई भी कार्य को श्रेष्ठ अति उत्तम माना गया है। इसी वजह से अक्षय तृतीया का पावन पर्व बड़ी श्रद्धा भक्तिभाव के साथ मनाया जाता है।

अक्षय तृतीया पर पूजे गए पुतरा पुतरियें

तेंदूखेड़ा हरिभूमि न्यूज । अक्षय फल प्रदान करने वाली अक्षय तृतीया पर परम्परागत रूप से पुतरा पुतरियों के घरों में पूजन अर्चन किया गया। छोटे छोटे बच्चों के द्वारा उन्हें सजाकर वट वृक्ष के नीचे जाकर सामूहिक रूप से उनका विवाहोत्सव मनाया गया। छोटे छोटे बच्चों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला।

मनाया गया भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव

भगवान विष्णु के अवतार परशुराम जी का प्रकटोत्सव सद गुरु वेद विद्या पीठ के संचालक पं चंद्रकांत चौबे के विद्या पीठ परिसर में हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में धूमधाम से मनाया गया।इस मौके पर सभी प्रतिष्ठित विप्र जनों ने भारतीय संस्कृति परिवेश भेष-भूषा में अपने आराध्य देव का पूजन अर्चन किया प्रसाद वितरण किया गया।नगर के प्रतिष्ठित नगर पुरोहित पं सत्यनारायण चौबे सहित बड़ी संख्या में विप्र जन प्रमुख रुप से उपस्थित थे।